

मैं अगले 40 दिनों में अपने प्रजनन तंत्र, तंत्रिका तंत्र, पाचन तंत्र, श्वसन तंत्र, उत्सर्जन तंत्र तथा अपने शरीर के सभी अंगों में पूर्ण, संपूर्ण और परम स्वास्थ्य का अनुभव कर रहा/रही हूँ, जो मेरे भीतर विद्यमान दिव्य बुद्धिमत्ता (Divine Intelligence) के आशीर्वाद से संभव हो रहा है।

मेरी किसी भी प्रकार की मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक अथवा यौन असुविधा, पीड़ा या विकार पूर्णिमा के श्वेत प्रकाश में विलीन होकर समाप्त हो रहे हैं।

मेरे हृदय में विद्यमान दिव्य कृपा और आशीर्वाद मेरे शरीर को स्वस्थ होने में सहायता प्रदान कर रहे हैं, और मैं प्रेमपूर्वक इस उपचार को तथा उस हर उपचार को स्वीकार करता/करती हूँ जो मेरे सर्वोच्च कल्याण के लिए उचित है।

मैं प्रतिदिन शांति, प्रेम, सम्मान, आनंद और सुकून का अनुभव करता/करती हूँ, क्योंकि मैं दिव्य बुद्धिमत्ता के सार के माध्यम से अपने उच्चतर स्वरूप (Higher Self) से जुड़ रहा/रही हूँ।

धन्यवाद!